

रुक जाओ अय अजीजो ३३३३३

कहाँ जा रहे हो तुम ३३३

क्यों मौत से - पहले ३३३३३

जहाँ से जा रहे हो तुम ३३३

परवा नहीं है, खुद की ३३३३३

बे खौफ घूमते ३३३

गर, वक्त में ३३३ फस जायें तो ३३३

ये पैर घूमते ३३३

लानत है, तेरी जिन्दगी को ३३३

कहाँ पहुँच गये तुम

क्यों मौत ---- रुक जाओ ----

खुद पे - करो रहम तो जरा ३३३

क्यों खून पी रहे ३३३

लगता है, मय के दम पे ३३३

ये लोग जी रहे ३३३

रेंसे में क्या, कहें तुझे ३३३

ना भूल पाये गम ३३३

क्यों मौत ---- रुक जाओ ----

क्या होगा चलके ५५५५

अंदाज क्या करें ५५५५

जो होगा, सो होगा "श्रीबाबाश्री"

इनसे क्या डरें ५५५५

बने मौत के परवाने ये ५५५५

उब क्या करे, शबनम-

क्यों मौत से-----

रुक जाओ-----

क्यों मौत-----